हरि आया छे गोकुल तारवा ने भजन लिरिक्स

हरि आया छे गोकुल तारवा ने,
तारवा तारवा उबारवा ने,
हरि आयां छे गोकुल तारवा ने।bd।

मासी पूतना रा प्राण हरने,
मामा कंस को तो मारवा ने,
हरि आयां छे गोकुल तारवा ने।bd।

मात पिता का फंद छुड़ावन,
देवन को दु :ख टारवा ने,
हरि आयां छे गोकुल तारवा ने।bd।

बॉहे नख पर गिरवर धरसी,
इन्द्र को घमंड उतारवा ने,
हरि आयां छे गोकुल तारवा ने।bd।

नाग नाथ हरि बाहिर करसी,
यमुना रो नीर सुधारवा ने,
हरि आयां छे गोकुल तारवा ने।bd।

निजभक्तन हित काज पधारया,
धरती रो भार उतारवा ने,
हरि आयां छे गोकुल तारवा ने।bd।

हरि आया छे गोकुल तारवा ने,
तारवा तारवा उबारवा ने,
हरि आयां छे गोकुल तारवा ने।bd।

स्वर – संत श्री रामप्रसाद जी महाराज।

Upload By – Keshav
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com